हृदय और धड़कन

वर्ष-7, अंक-78, जून 20, 2016

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666

कार्डियक सर्जन

डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ.दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल	+91-99981 49794

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

थ्रोम्बोलिटिक्स

थ्रोम्बोलिटिक्स क्या है?

रक्त एक अद्भुत तत्त्व है। शरीर के अंदर रक्त सामान्य रूप में एक द्रव्य की तरह बहता है। शरीर के बाहर आने पर रक्त जम कर सख्त बन जाता है। कभी कभी इस जम जाने की प्रक्रिया में खराबी आ जाती है और यह क्रिया रक्तवाहिनी के अंदर (जहां उसे नहीं होना चाहिए) होती है।

थ्रम्बोलिटिक्स रक्त के जम जाने से बनने वाली गांठो को पिघलाने वाला तत्त्व है।

डॉक्टर थ्रोम्बोलिटिक्स कब उपयोग करते हैं?

कई बार विविध कारणों से रक्तवाहिनियों के अंदर रक्त जम जाता है।

ऐसी गांठे (Clots) जो अगर धमनीयों में बन जांए तो ऑक्सीजन का प्रवहन संपूर्ण बंद हो जाए और हृदयरोग का हमला (हार्ट अटेक) आ सकता है।

थ्रोम्बोलिटिक दवाओं के उपयोग रक्त की गांठो को पिघलाने में और रक्तवाहिनियों में रक्त के परिवहन को सामान्य बनाने के लिए किया जाता है।

थ्रोम्बालिटिक्स हृदयरोग के हमले के रोगी में उपयोग में ली जाने वाली दवाओं में सर्वश्रेष्ठ है। रक्तधमनियों के अंदर रक्त की गांठो के नष्ट होने से हृदय के स्नायुओं को ऑक्सीजन की मात्रा पहले की तरह मिलने लगती है और उसका नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है। हृदयरोग के हमले के अतिरिक्त डॉक्टर थ्रोम्बोलिटिक्स का उपयोग दूसरे कई हमलों के इलाज के लिए करते हैं। जिनके फेंफड़ों में बड़े रक्त की गांठे जम गई हों ऐसे रोगियों के लिए भी यही दवा उपयोग में ली जाती है। इस पद्धति को डीप वीन थ्रोम्बोसिस (Deep Vein Thrombosis) कहते हैं। ऐसी गांठे बहुत ही हानिकारक हो सकती हैं। जब जमे हुए रक्त की गांठों का कोई भाग टूट जाए और वह हृदय या फेंफड़ों तक पहुंच कर वहां की छोटी धमनियों को बंद कर दे, तो इससे जान भी जा सकती है।

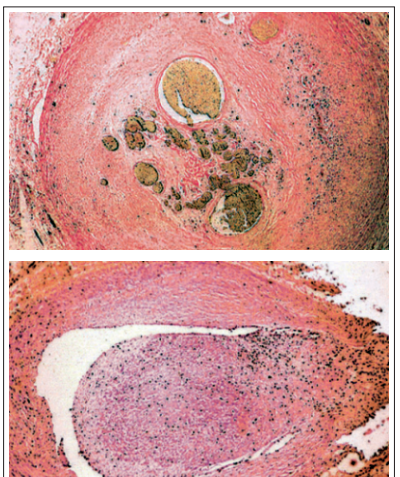

धमनी के अंदर रक्त की गांठ

खतरे कहां हैं?

थ्रोम्बालिटिक्स एकदम और बहुत ही तीव्रता से रक्त की गांठे बनने की शक्ति को कुछ समय के लिए रोक देता है। इस लिये किसी भी कारण आगे जा कर यदि कहीं रक्तस्त्राव हो तो (उदाहरण त्वचा के कटने पर, दरारों में से या नाक में से) तो उसको रोकना मुश्किल होता है। साधारणतया जल्दी से रोका जा सके ऐसे सामान्य स्त्राव कभी कभी एक कठिन समस्या खड़ी कर सकते हैं।

मैंने अपने एक मरीज से पूछा 'तुम रोज १५ से २० सिगरेट पीते हो, क्या यह सच है?' ' हाँ जी। ' ' रोज ४ से ५ पेग शराब पीते हो? ' ' हाँ जी। ' ' क्या तुम्हारा डॉक्टर तुम्हें टोकता नहीं है? ' ' वह तो यह कहते कहते मर गए इसलिये तो तुम्हारे पास आया हूं। '

थ्रोम्बोलिटिक्स लेने वाले रोगियों को संभवतया मस्तिष्क में रक्तस्त्राव के कारण लकवे का हमला हो सकता है। परन्तु खतरे की अपेक्षा फायदे का अधिक प्रमाण होने के कारण यह दवा पिछले २० सालों से हार्टअटेक के समय उपयोग में ली जाती है (विशेषरूप से अगर एन्जियोप्लास्टी करनी न हो तब)।

फायदे

हार्टअटेक के निवारण के लिए यह सर्वश्रेष्ठ दवाओं में से एक है। ५० से ६० प्रतिशत लोगो में यह बंद नली खोल सकता है। अगर ये हार्टअटेक के पहले एक घंटे में दी जाए तो बहुत असरकारक सिद्ध होती है और हृदय को नुकसान होने से बचाती है। यह दवा नस के द्वारा एक घंटे से ज्यादा समय तक दी जाती है और स्ट्रेप्टोकाइनेज़ या युरोकाइनेज़ के नाम से बाजार में मिलती है।

थ्रोम्बोलिटिक्स इन्जेक्शन महंगे पर बहुत उपयोगी

बीटा ब्लोकर

बीटा ब्लोकर क्या है?

बीटा ब्लोकर अपने शरीर के स्वयं संचालित ज्ञानतंतुओं में से एक 'बीटा सिम्पेथेटिक' के असर को रोकता है। इससे हृदय की धड़कनें कम रहती हैं। इससे हृदय को काम करने के लिए कम मात्रा में ऑक्सीजन की जरूरत रहती है। दूसरी असर है कि इससे ब्लडप्रेशर भी कम होता है। ब्लडप्रेशर के कम होने से भी हृदय के काम का बोझ कम होता है।

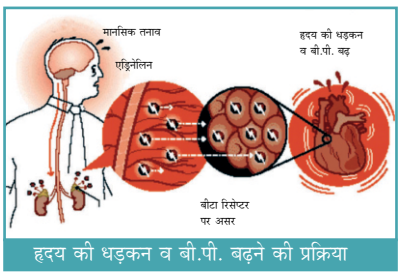

हृदय की धड़कन व बी.पी. बढ़ने की प्रक्रिया

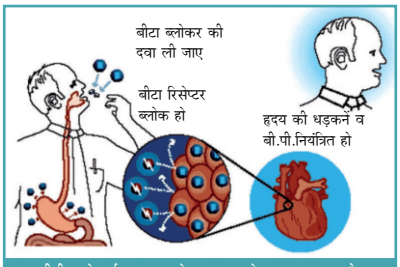

बीटी ब्लोकर्स द्वारा उपरोक्त असर रोका जा सकता है

कब उपयोग होता है?

बीटा ब्लोकर को वन्डर दवा कहा जा सकता है, क्योंकि यह हृदय की कई बिमारियों में काम आती है, जैसे कि -

- एन्जायना के दर्द में
- हृदयरोग के हमले के समय और हमले के बाद
- ब्लडप्रेशर में
- हृदय फेल्योर (Heart failure) में
- अनियमित धड़कनों में

हृदयरोग के हमले के बाद अगर यह दवा ली जाए तो फिर से हृदयरोग के हमले की या उसके कारण मृत्यु की संभावना में कमी होती है।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

www.cims.me

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World Class Practices

विश्वास

जो एक दिन में कभी नही बनाया जा सकता

अत्याधुनिक सुविधाएँ एवं उच्च गुणवत्तायुक्त तकनीकी के साथ नये 10 मंजिल का बी-ब्लौक एवं सीम्स खम्बाता लिनेक (रेडियोथेरापी) सेन्टर (और सीम्स कैन्सर सेन्टर) की शुरुआत करते हुए हमे गर्व है ।

विशाल जगह | बेहतर सुविधा | गुजरात की श्रेष्ठ तकनीकी और डोक्टर्स की टीम

1 लाख से ज्यादा दाखल मरीज़	5 लाख से ज्यादा मरीज़ो की सारवार	3.5 एकर की जमीन पर अंदाजित ५ लाख स्कवेर फीटमें सभी तरह की तबीबी सुविधा उपलब्ध	20 वर्ष से ज्यादा अनुभव के साथ गुजरात-भारत कौ सबसे विश्वसनीय मेडीकल ग्रुप

- पश्चिम भारत में पहली बार : मरीज़ो की सचोट, झडपी और अच्छी संभाल के लिये पूर्णतः डिजिटल हॉस्पिटल का
- GE Centricity® सोफ्टवेर के द्वारा इमेजिंग और संपूर्ण चोक्साइ से निदान ● पुर्णतः डिजिटलाइझ्ड आइसीयु और ओपरेशन थियेटर्स

CIMS KHAMBATTA
LINAC CENTRE

सीम्स खंभाता लाइनेक (रेडियोथेरपी) सेन्टर
अरीझ खंभाता बेनीवोलेन्ट ट्रस्टकी एक पहल

* (जरुरियात वाले मरीज़ को उचित दर में कैन्सरकी रेडियोथेरेपी दी जायेगी)

24 x 7 हेल्पलाईन +91-70690 00000

अपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें: +91-79-30101200, 30101008 (मो) +91-9825066661 एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सीम्स अस्पताल : सीम्स अस्पताल रोड, ऑफ साइंस सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | CIMS Hospital India App on:

हमने उसके डर की दरार को एक छोटे-से चीरे से भर दिया ।

CIMS DIL DIL ki KAHANI

#dildilkikahani

नाम : मिस. मीना राज*
उंमर : २७ वर्ष
स्थान : जोधपुर, भारत
* नाम बदला है ।

मिस मीना, एक निश्चिंत व ज़िंदादिल १८ वर्षीय युवती, जो परिपूर्णता के साथ जीवन जी रही थी, परंतु उसका जीवन बदल गया, जब से उसकी साँस फूलना शुरू हुई और वह अपने रोजमर्रा के काम भी नहीं कर पाने लगी। वह 'माइट्रल वॉल्व स्टेनोसिस' यानी हृदय का वॉल्व सँकरा हो जाने की बीमारी से पीड़ित थी, जिसमें सर्जरी आवश्यकता थी।

सर्जरी के दौरान उसके सीने पर बीच में किया जाने वाला ७-१० इंच का चीरा जीवन भर रहेगा। इस बात से वह चिंतित हो गई। और फिर, कुरूपता, अस्वीकार, विवाह न हो पाने तथा उससे भी बढ़ कर कभी संतान सुख न प्राप्त कर पाने के भय से वह सिहर उठी थी।

सिम्स हार्ट केयर टीम के कार्डियाक सर्जनो ने 'मिनिमली इन्वेसिव हार्ट वॉल्वर सर्जरी' द्वारा स्तन के नीचे छिप सके, ऐसे मात्र २.५ इंच जैसे छोटे-से चीरे के जरिए मीना को नया जीवन दिया।

आज वह अपना सुखी वैवाहिक जीवन जी रही है और एक संतान की माता भी है। मिस मीना ने हमें सिखाया कि डर छोटा या बड़ा नहीं होता, बस उसे एक बार पार करना जरूरी होता है।

सीम्स हार्ट केयर

- मिनिमम इन्वेसिव हार्ट वॉल्व सर्जरी विशेषज्ञ
- पीडियाट्रिक, जीरियाट्रिक, नाजुक हृदय और ग्रोन-अप कंजेनाइटल ओपन हार्ट सर्जरी विशेषज्ञ
- विश्व विख्यात कार्डियोलॉजिस्ट तथा सक्षम सर्जन टीम

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

www.cims.me

अपॉइन्ट्मेन्ट्स : (L) +91 79 3010 1200 / 1008, (M) +91 98250 66661, (E) opd.rec@cimshospital.org
अेम्ब्युलन्स और इमरजन्सी : (M) +91 98244 50000 / 97234 50000 / 90990 11234

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन
+91 70690 00000

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | *CIMS Hospital India App on:*

नाइट्रोग्लिसरीन और दूसरे नाइट्रेट्स

ये किसलिए महत्त्वपूर्ण है?

नाइट्रोग्लिसरीन और नाइट्रेट्स जैसी दवाओं का उपयोग १०० से भी अधिक सालों से हृदयरोग के इलाज के लिए होता है, यह इस्केमीक हार्ट डिजीज़ (एन्जायना) याने कि हृदय को कम रक्त मिलने, जैसी बीमारीयों में होता है।

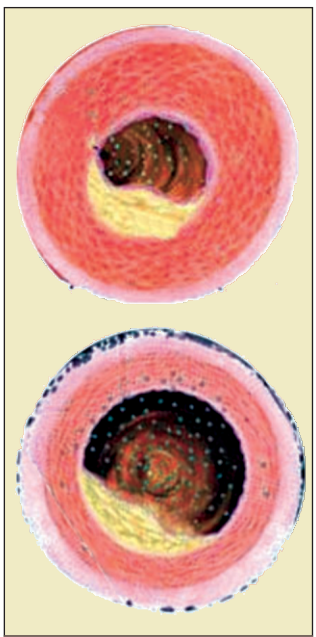
नाइट्रेट के असर से हृदय की धमनी चौड़ी होती हैं

जिन रोगियों को एन्जायना होता है उनके हृदय को रक्त व ऑक्सीजन जरूरत से कम मात्रा में मिलता है, इस के इलाज के लिए यह दवाएं बहुत ही लाभदायक हैं। इस प्रकार का हृदयरोग सामान्यतया एथेरोस्क्लेरोसिस से होता है। एथेरोस्क्लेरोसिस से हृदय को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिलता है, और रक्त की कमी से एन्जायना पेक्टोरिस (छाती में दर्द, घबराहट, अरुचि) होता है। नाइट्रेट्स का उपयोग छाती के दर्द को दूर करने व हृदयरोग के हमले को रोकने में होता है।

कार्यपद्धति

इन दवाओं का कार्य नस और धमनियों के स्नायुओं को आराम दे कर चौड़ी करना है। इन रक्तवाहिनियों के चौड़ा होने से दो अच्छी असर होती हैं, रक्तवाहिनियों में एक तो ऑक्सीजन का प्रवहन अधिक होने से हृदय के स्नायुओं को अधिक ऑक्सिजन मिलती है, दूसरा अच्छा असर है कि रक्तवाहिनियां चौड़ी होने से ब्लडप्रेशर कम होता है, ब्लडप्रेशर कम होने से हृदय का काम हल्का हो जाता है, और ऑक्सीजन की जरूरत में भी कमी आती है

रक्तवाहिनियों के चौड़ा होने से तथा बी.पी. कम होने से छाती का दर्द व घबराहट या अरुचि तुरंत ही दूर हो जाते हैं। फिर ऑक्सीजन की मांग व मात्रा संतुलित हो जाते हैं।

जीभ के नीचे रखनेवाली नाइट्रोग्लिसरीन

यह दवाएं जीभ के नीचे रखने से या स्प्रे करने से बहुत जल्दी असर करती हैं, परन्तु इनका असर लम्बे समय तक नहीं चलता हैं। यह अंदाजन २० से ४० मिनट तक ही असर करती हैं। इसका उपयोग छाती में दर्द तथा घबराहट के समय किया जाता है। यह बहुत अच्छी तरह कार्य करती है और इसे बार-बार लिया जा सकता है। आप

नाइट्रेट का पेच - चमड़ी के द्वारा भी नाइट्रेट काम में ली जाए

अगर शारीरिक परिश्रम या कसरत करने के पहले अगर यह दवा लेंगे तो यह खूब मददरूप हो सकती हैं।

मूँह से निगलने वाली नाइट्रेट्स

यह गोली अथवा केप्सूल के रूप में मिलती है, और निगलने वाली होती है। यह लम्बे समय तक (६ से २४ घंटे) असर करती है यह एन्जायना के लम्बे समय के नियंत्रण के लिए बहुत असरकारक है।

नस के द्वारा दी जाने वाली नाइट्रेट्स

अस्थिर एन्जायना पेक्टोरिस या हृदयरोग के हमले के इलाज के लिए नस के द्वारा दी जाने वाली नाइट्रोग्लिसरीन विशेष रूप से उपयोगी है।

बहुत जुकाम और खासी होने पर श्याम एक डाकटरके पास गया जिसने इसे कुछ दवाई और गलिया दी। किन्तु ऊनसे कोई फायदा न हुआ। दुसरी मुलाकातमे डाकटरने इन्जेकशन दिया किन्तु ईससे भी कोई लाभ नहीं हुआ। तीसरी मुलाकातमे डोकटरने श्याम को कहा कि धर जाकर वह गर्म पानी से नहा ले सभी खिडकियां खोल कर पंखेको फुल स्पीडमे चलाकर नीचे खडा हो जाये

'पर डाकटर साब' श्यामने पुछा यदी मे एसा करंगा तो मुझे न्युमोनिया नहीं हो जायेगां?

डाकटर एसा होने पर ही मै तुम्हे अच्छा कर पाउंगा क्यो की न्युमोनिया ठक करने की तरकीब मैं अच्छी तरह जानता हुं डाकटरने जवाब दिया।

विपरीत प्रभाव व समस्याएं

जो लोग नाइट्रेट्स लेते हैं वे कभी कभी सरदर्द का अनुभव करते हैं। लम्बे समय तक दवा नियमित लेने से यह दर्द सामान्यतया कम हो जाता है, और धीरे-धीरे बंद हो जाता है। इस दर्द में एस्पीरीन या मेटासिन लेने से आराम मिल सकता है।

पर कई लोग हमेशा के लिए नाइट्रेट नहीं ले सकते हैं क्योंकि उनको सरदर्द चालू ही रहता है।

नाइट्रेट की ब्लडप्रेशर कम करने की शक्ति से भी समस्या हो सकती है। इसमे चक्कर का आना अथवा बेहोशी भी आ सकती है। इसके लिए दवा का पहला डोज सोते हुए या बैठे हुए ही लेना चाहिए।

नाइट्रेट्स शुरु करने से पहले अगर आप कोई दूसरी दवा ले रहे हों तो अपने डॉक्टर को बताना ना भूलें। और वायग्रा जैसी दवाओं के साथ नाइट्रेट्स बिल्कुल ना लें।

यदि आप नाइट्रेट्स किसी भी स्वरूप में लगातार लेंगे तो आपके शरीर को इसकी आदत पड़ जाएगी और दूसरे नाइट्रेट पहले जैसे असरकारक ढंग से कार्य भी नहीं करती है।

दवा लेने के लिए अपने डॉक्टर की सूचनाओं को खूब ध्यान से पालन करें।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

CIMS connect

सीम्स होस्पिटल की तरफसे आपको नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिये एवं नये रसप्रद केसो की जानकारी के लिये हमारे साथ फेसबुक से जुडे. आप सीम्स होस्पिटल की एप्लीकेशन एन्ड्रोइड, एपल (आईफोन) एवं विन्डोझ फोन में डाउनलोड कर सकते हो जिससे आपको स्वास्थ्य संबंधित उपयोगी मार्गदर्शन मिल सकेगा ।

facebook | "सीम्स होस्पिटल" (CIMS Hospital) की एप्लीकेशन उपलब्ध है | ANDROID APP ON Google play | Download on the App Store | Download on the Windows Phone | g+

जब जीवन की सभी आशाएँ समाप्त हो गईं, तब एक सरल पद्धति से हृदय का वॉल्व पुनः कार्यरत् हुआ।

CIMS DIL DIL KI KAHANI

3 #dildilkikahani

नाम : श्री हर्षद दवे
उंमर : ७२ वर्ष
स्थान : अहमदाबाद, भारत

श्रीमान दवे अपना पूरा जीवन ज़िंदादिली और आशावाद के उन्नत दृष्टिकोण के साथ जिए। १४ वर्ष पले उन्होंने 'माइट्रल वॉल्व सर्जरी' कराई थी। १ वर्ष पहले साँस फूलने तथा वजन घटाने की समस्या मुखर हुई और हृदय में प्रत्यारोपित किए गए आर्टिफिशियल वॉल्व से लीक (पैरावॉल्वुलर लीक) होने की गंभीर समस्या का निदान हुआ, जिससे हृदय किसी भी वक्त बंद हो सकता था। पुनः सर्जरी कराने में उनकी जान को खतरा था और कोई भी सर्जन यह चुनौती स्वीकारने को तैयार नहीं था।

सिम्स हार्ट केयर के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट्स और कार्डियाक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स का अद्‌भुत टीमवर्क तथा 'ट्रांसकैथेटर डिवाइस क्लोज़र' प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सकुशल ऑपरेशन के बिना पैरावॉल्वुलर लीकेज का उपचार किया और हृदय की खामीयुक्त जगह को हमेशा के लिए भर (जोड़) दिया।

श्रीमान दवे ने हमें सिखाया कि जब सारे दरवाजे बंद हो जाएँ, तब जीवन को सही अर्थ में जीने के लिए आशा की एक खिड़की हमेशा खुली हुई होती है।

सीम्स कार्डियाक केयर

- ट्रांसकैथेटर डिवाइस क्लोज़र' प्रक्रिया के विशेषज्ञ
- भारत का एक श्रेष्ठ पर्क्युटेनियस कार्डियाक इन्टरवेन्शन केन्द्र
- भारत का एकमात्र "अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (ए.सी.सी.) सेंटर ऑफ एक्सिलेंस" प्रमाणित केन्द्र

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

www.cims.me

अपॉइन्ट्मेन्ट्स : (L) +91 79 3010 1200 / 1008, (M) +91 98250 66661, (E) opd.rec@cimshospital.org
अेम्ब्युलन्स और इमरजन्सी : (M) +91 98244 50000 / 97234 50000 / 90990 11234
24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन +91 70690 00000

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | *CIMS Hospital India App on:*

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

'वेईट' करने में कहीं देर न हो जाए!

यदि आप इंतजार करते रहेंगे, तो मेदस्विता से आपके शरीर में अनेक रोग दाखिल होकर आपको विकलांग बना देंगे, जिसके कारण विभिन्न कॉम्प्लिकेशन्स पैदा हो सकते हैं, जो आपकी जीवनशैली, आपके संबंधों और आपकी आगामी पीढ़ी को भी नुकसान पहुँचा सकते हैं।

सीम्स बैरियाट्रिक केयर के सर्जन, फिजिशियन, फिजियोथेरापिस्ट, काउन्सेलर और डाइबिटिशियन की टीम द्वारा जोखिमकारक मेदस्विता के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रभावी ट्रीटमेंट उपलब्ध कराई जाती है। अपनी तरह के प्रथम ऐसे 'पेशेंट सपोर्ट ग्रुप' द्वारा पूर्णतः हदाश हो चुके मरीजों के साथ विचारों का आदान-प्रदान कर प्रेरणात्मक व सकारात्मक रुख के साथ उपचार किया जाता है।

एक्ट अगेइन्स्ट ओबेसिटी

सीम्स बैरियाट्रिक केयर

- स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी, गैस्ट्रिक बाइपास, मिनी गैस्ट्रिक बाइपास और गैस्ट्रिक बाइण्डिंग सर्जरी विशेषज्ञ
- बैरियाट्रिक मरीजों की अधिकतम् जोखिमकारक परिस्थिति को संभाल सकने में सक्षम गुजरात का एकमात्र सेंटर
- तेज रिकवरी के लिए ऑपरेशन के बाद मरीज की सम्पूर्ण सुश्रुषा (देखभाल) से संबंधित प्रोग्राम

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices
www.cims.me

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन
+91 70690 00000

अपॉईन्टमेन्ट के लिये फोन करे : +91-79-3010 1200, 3010 1008
एम्ब्युलन्स और ईमरजन्सी : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।